द्वितीय अखिल भारतीय अधिवेशन 30 जून और 1 जूलाई 2012 बैंगलूरू, में सैंकड़ों विद्यार्थी जायेंगे आज।

भोपाल दिनांक 27.06.2012। अखिल भारतीय क्रांतिकारी विद्यार्थी संगठन का द्वितीय अखिल भारतीय अधिवेशन 30 जून – 1 जूलाई 2012 को बैंगलोर में किया जायेगा। इस सम्मेलन में मध्यप्रदेश से कई जिलो भोपाल, बैतुल, सिधी, सिंगरौली, इंदौर, अशोक नगर व गुना से सैकड़ों विद्यार्थी शामिल होंगे, भोपाल जिले से करीब 150 विद्यार्थी 28 जून 2012 को शाम 4 बजे भोपाल स्टेशन से रैली बनाकर सम्मेलन में शामिल होंगे ।

अखिल भारतीय क्रांतिकारी विद्यार्थी संगठन ;।प्दैव्द्ध के राष्ट्रीय अध्यक्ष कामरेड विवेक ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मजदूर वर्ग और शोषित जनता में विशेष रुप से विद्यार्थीयों की स्थिति बहुत ही बदतर है। शिक्षा का निजीकरण–बाजारीकरण बेरोकटोक जारी है परिणामस्वरूप विद्यार्थियों पर संकट दिन ब दिन गहराता जा रहा है। निजीकरण के द्वारा विद्यार्थियों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्राप्त करने से वंचित रखा जा रहा है। नई शिक्षा नीति एक भेदभावपूर्ण बहुपर्तीय शिक्षा प्रणाली बना रही है। छात्र विरोधी नव उदारवादी नीतियों को वित्तीय पूॅजी द्वारा शिक्षा से मुनाफा कमाने के लिए भारत समेत दुनिया भर में लागू किया जा रहा है। शिक्षा को बाजार की वस्तु बनाने की नीतियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। भारत के एक बड़े तबके को शिक्षा से वंचित रखने वाली योजना को शिक्षा का अधिकार कानून नाम से लागू किया गया है। भारत में निजीकरण और बाजारीकरण के चलते दलित और आदिवासी वर्गों को मिलने वाला आरक्षण स्वतंः ही खत्म होता जा रहा है उन्हे शिक्षा के क्षेत्र में पहले से भी ज्यादा वंचित किया जा रहा है। आज जहा एक ओर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा क्षेत्र में वित्तीय पूॅजी का हमला बढ़ रहा है। वही दुसरी ओर बड़े पैमाने पर असंतोषीय विद्यार्थी बड़ी संख्या में गोलबंद हो रहे है देश भर में सरकारी शिक्षा प्रणाली को मजबूत करने के लिए ओर मुफ्त शिक्षा की मांग को लेकर कई असंगठित आंदोलन हुए ऐसे आंदोलन के खिलाफ शासन व्यवस्था जातिवाद, धर्मवाद ओर छळव् का पूरा इस्तेमाल करती है अधिकतर विद्यार्थी संगठन जातिवादी, धर्मवादी और सुधारवादी होने के कारण विद्यार्थी आंदोलन को कोई क्रांतिकारी नेतृत्प प्राप्त नही हो रहा है ऐसी स्थिति में ।प्दैव् राजनैतिक स्पष्टता के साथ विद्यार्थियों के आंदोलन को क्रांतिकारी नेतृत्व देने का प्रयास कर रहा है।

अखिल भारतीय क्रांतिकारी विद्यार्थी संगठन ;।प्दैव्द्ध के भोपाल जिला सचिव कामरेड खुमेंन्द्र ने सभी विद्यार्थीयों से कहा कि शिक्षा के निजीकरण व बाजारीकरण को उखाड फेंकने के लिये, मुफ्त, वैज्ञानिक, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक समान स्कूल शिक्षा व्यवस्था को लागू करने के लिए, पितृसत्ता, जाति व्यवस्था, धर्मांधता, वंशवाद के खिलाफ संघर्ष करने के लिए, तथा मजदूर व शोषित वर्ग के साथ एकजुट होकर नव उदारवादी नीतियों को उखाड फेंकने के लिए विद्यार्थीयों को गोलबंद होकर संघर्ष करना होगा।
संगठन सभी देश भक्त, प्रगतीशील व जनवादी तकतों से अपील करता है कि अखिल भारतीय क्रांतिकारी विद्यार्थी संगठन के द्वितीय अखिल भारतीय अधिवेशन को ज्यादा से ज्यादा संख्या में शामिल होकर सफल करें, तथा विद्यार्थीयों के संघर्ष को मजबूत करें।

प्रति
संपादक महोदय
दैनिक.....

भवदीय

कामरेड खुमेन्द्र
जिला सचिव